सत्कर्म करने वाला न मरा है न मरेगा

सत्कर्म करने वाला न डरा है ना डरेगा

चाहे जहाँ करो तू करना है अंत तुझको
तृष्णा का समण्डार न भर है ना भरेगा

फानुष बनके इस्वर जिसकी करे हिफाजत
तूफा में भी वहाँ दीपक न बुझा है ना बुझेगा

जो स्तय अहिंसा का दमन कभी न छोड़े
जिस रथ पे कृष्ण बैठा न आरा है ना अरेगा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17112/title/sath-karm-karne-wala-na-mara-hai-n-marega

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |